'भारत-जापान संबंध नई ऊंचाई पर पहुंचे'

लखनऊ, विशेष संवाददाता। ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में हजारों करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिलने के बाद उत्तर प्रदेश में एक बार फिर जापानी निवेशकों ने नए औद्योगिक निवेश को लेकर रुचि दर्शायी है। शुक्रवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से जापान के राजदूत हिरोशी सुजुकी के नेतृत्व में जापानी उद्यमियों के प्रतिनिधिमंडल ने भेंट कर नए प्रस्तावों पर विचार-विमर्श किया। वाराणसी में जापान के सहयोग से निर्मित विश्वस्तरीय कन्वेंशन सेंटर की चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और जापान के पूर्व प्रधानमंत्री स्व. शिंजो आबे के प्रगाढ़ संबंधों ने आधुनिक युग में भारत-जापान के राजनीतिक, आर्थिक और व्यावसायिक संबंधों की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाया है।

विशेष बैठक में मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत व जापान के संबंध सदा ही मैत्रीपूर्ण रहे हैं। दोनों देशों के बीच परस्पर सौहार्द और बढ़ते हुए द्विपक्षीय व्यापार तथा सर्वांगीण सहयोग विद्यमान हैं। दोनों देश बड़ी अर्थव्यवस्थाएं हैं तथा समान सामाजिक-आर्थिक विकास की प्राथमिकताओं के साथ लोकतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष के साथ-साथ विश्व स्तरीय सामरिक दृष्टिकोण भी समान हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार जापानी कंपनियों के साथ सहयोग करने की इच्छुक है। वर्तमान में प्रदेश में कार्यरत 7 प्रमुख कंपनियों (मित्सुई टेक्नोलॉजीज, होंडा मोटर्स, यामाहा मोटर्स, डेंसो, टोयोड्रंक, निसिन एबीसी लॉजिस्टिक्स, सेकिसुई डी.एल.जे.एम. मोल्डिंग) सहित 1,400 से अधिक जापानी कंपनियां भारत में संचालित हैं।

संबंधित खबर P 08

20 से अधिक सेक्टोरल नीतियों के जरिए यूपी दे रहा आकर्षक छूट

14 सौ से अधिक जापानी कंपनियां भारत में संचालित हैं

प्रभावित करता है उत्तर प्रदेश: हिरोशी सुजुकी

जापानी दल का नेतृत्व कर रहे जापानी राजदूत हिरोशी सुजुकी ने उत्तर प्रदेश में उद्योग व्यापार के असीम अवसरों, इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में हो रहे कार्यों और मुख्यमंत्री के व्यक्तित्व की प्रशंसा की और कहा कि जापान के निवेशक यहां की नीतियों से उत्साहित हैं। निवेशकों का यह उत्साह भारत और जापान के मजबूत संबंधों को नई ऊंचाइयों तक ले जाना होगा। कुबोटा एग्रीकल्चरल मशीनरी इंडिया के चेयरमैन व एमडी, निखिल चंद्रा ने कानपुर स्थित चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में एस्कॉर्ट कुबोटा फार्म इंस्टिट्यूट की स्थापना को लेकर रुचि जताई। जापानी राजदूत के अतिरिक्त, जापानी दूतावास के पॉलिटिकल काउंसलर केंतारो ओरिता, जापान इंटरनेशनल को-ऑपरेशन एजेंसी के मुख्य प्रतिनिधि मित्सुनरी साइतो भी मौजूद थे।